RTET 2012 Level-I

भाषा- II : हिन्दी

1. रचना के आधार पर वाक्य के भेद होते हैं-

(अ) तीन (ब) चार

(स) दो (द) पाँच (अ)

2. कौन सरल वाक्य है?

(अ) उसने आज सुबह दूध पिया

(ब) गिलास नीचे गिरा और टूट गया

(स) मैंने समझाया और वह बात मान गया

(द) वह ऐसे चल रही थी जैसे कोई बीमार चलता हो। (अ)

3. पाठ्यपुस्तक की विषय वस्तु का प्रस्तुतिकरण नहीं होना चाहिए-

(अ) ज्ञात से अज्ञात की ओर (ब) कठिन से सरल की ओर

(स) स्थूल से सूक्ष्म की ओर (द) सरल से कठिन की ओर। (ब)

4. भाषा प्रयोगशाला में नहीं होता है-

(अ) मोबाइल फोन (ब) माइक्रोफोन

(स) टेप रिकॉर्डर (द) वीडियो रिकॉर्डर। (अ)

5. उच्चारण कौशल की परीक्षा किससे ली जा सकती है?

(अ) लिखित परीक्षा (ब) मौखिक परीक्षा

(स) निबंधात्मक परीक्षा (द) वस्तुनिष्ठ परीक्षा। (ब)

6. कौन कथन सही नहीं है?

(अ) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों द्वारा स्मृति की परख की जा सकती है

(ब) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से मूल्यांकन पक्षपात रहित होता है

(स) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से भाषा विषयक कमजोरियाँ जानी जा सकती हैं

(द) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का निर्माण समय साध्य होता है। (स, द)

7. उपचारात्मक शिक्षण में नहीं होना चाहिए-

(अ) उत्साहवर्धन (ब) अभ्यास

(स) उपहास (द) सहानुभूति। (स)

निम्न गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 8 से 14) में सबसे उचित विकल्प चुनिए-

जिन लोगों ने गहन साधना करके अपने को सहज नहीं बना लिय, वे सहज भाषा नहीं पा सकते। व्याकरण और भाषा-शास्त्र के बल पर यह भाषा नहीं बनायी जा सकती, कोशों में प्रयुक्त शब्दों के अनुपात पर इसे नहीं गढ़ा जा सकता। कबीरदास और तुलसीदास को यह भाषा मिली थी, महात्मा गांधी को भी यह भाषा मिली, क्योंकि वे सहज हो सके। उनमें दान करने की क्षमता थी। शब्दों का हिसाब लगाने से यह दातृत्व नहीं मिलता, अपने को दलित द्राक्षा के समान निचोड़कर महासहज के समक्ष समर्पण कर देने से प्राप्त होता है। जो अपने को नि:शेष भाव से नहीं दे सका, वह दाता नहीं हो सकता। आप में अगर देने लायक वस्तु है तो भाषा स्वयं हो जायेगी। पहले सहज भाषा बनेगी, फिर उसमें देने योग्य पदार्थ भरे जायेंगे, यह गलत रास्ता है। सही रास्ता यह है कि पहले देने की क्षमता क्षमता उपार्जन कीजिए। इसके लिए तप की जरूरत है, साधना की जरूरत है, अपने को नि:शेष भाव से दान कर देने की जरूरत है।

8. कौन शब्द तत्सम नहीं है?

(अ) प्रयुक्त (ब) हिसाब

(स) उपार्जन (द) द्राक्षा। (ब)

9. कौन शब्द विदेशी है?

(अ) व्याकरण (ब) भाषा

(स) क्षमता (द) गलत। (द)

10. कौन शब्द में प्रत्यय नहीं है?

(अ) कोशों (ब) दान

(स) बनेगी (द) दातृत्व। (ब)

11. 'भाषा-शास्त्र' में समास है-

(अ) तत्पुरूष (ब) कर्मधारय

(स) द्वन्द्व (द) अव्ययीभाव। (अ)

12. 'उत्सर्जन' में संधि है-

(अ) यण (ब) गुण

(स) दीर्घ (द) वृद्धि । (स)

13. 'क्योंकि वे सहज हो सके' में सर्वनाम है-

(अ) वे (ब) सके

(स) क्योंकि (द) इनमें से कोई नहीं । (अ)

14. 'दलित द्राक्षा' में विशेषण है-

(अ) परिमाणवाचक (ब) सार्वनामिक

(स) संख्यावाचक (द) गुणवाचक। (द)

15. भाषा शिक्षण की श्रुतलेखन अभ्यास विधि का प्रमुख उद्देश्य नहीं है-

(अ) वर्तनी दोष दूर करना (ब) शुद्ध लेखन की क्षमता का विकास करना

(स) नवीन शब्दों का ज्ञान प्राप्त करना (द) हस्तलिपि सुधारना। (द)

www.gkabhi.in

16. भाषा शिक्षण की सूत्र विधि का मूल स्रोत कौन भाषा है?

(अ) संस्कृत (ब) फ्रेंच

(स) जर्मन (द) रूसी। (अ)

17. लेखन और उच्चारण के लिए अनुकरण विधि उपयोगी है-

(अ) प्रारंभिक स्तर पर (ब) माध्यमिक स्तर पर

(स) उच्च स्तर पर (द) सभी स्तरों पर। (अ)

18. प्राथमिक स्तर पर वाचन का मुख्य उद्देश्य है-

(अ) शुद्ध उच्चारण क्षमता का विकास (ब) आत्मविश्वास बढ़ाना

(स) शब्द भण्डार में वृद्धि (द) भाषा ज्ञान कराना। (अ)

19. असंगत शब्द है-

(अ) सुलेख (ब) श्रुतलेख

(स) अनुलेख (द) प्रलेख। (Bonus)

20. दो या अधिक उपवाक्य और, तथा एवं जैसे योजकों से जुड़े हों तो होता है-

(अ) सरल वाक्य (ब) आश्रित वाक्य

(स) मिश्र वाक्य (द) संयुक्त वाक्य। (द)

21. 'आस्तीन का .....' मुहावरा है-

(अ) बाल (ब) फोड़ा

(स) पसीना (द) साँप। (द)

22. विज्ञान के नित-नए आविष्कारों को देखकर आम आदमी आश्यर्च से-

(अ) दम तोड़ देता है (ब) थर-थर काँपने लगता है

(स) अपना-सा मुँह लेकर रह जाता है (द) दाँतों तले अंगुली दबा लेता है। (द)

23. हिन्दी में.....कारक हैं-

(अ) आठ (ब) पाँच

(स) बाहर (द) तीन। (अ)

24. किस वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय है?

(अ) बिजली चली गई और गर्मी लगने लगी

(ब) मेरे घर से सामने सिनेमा घर है

(स) शीतल ही देखेगी

(द) अरे। बाहर बज गए। (अ)

निम्न पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 25 से 30) में सबसे उचित विकल्प चुनिए-

जिस दिन मेरी चेतना जगी मैंने देखा
मैं खड़ा हुआ हूँ इस दुनिया के मेले में,
हर एक यहाँ पर एक भुलावे में भूला,
हर एक लगा है अपनी-अपनी दे-ले में,
कुछ देर रहा हक्का-बक्का, भौंचक्का-सा-
आ गया कहाँ, क्या करूँ जाँऊ किस जा ?
फिर एक तरफ से आया ही तो धक्का-सा,
मैंने भी बहना शुरू किया उस रेले में;
क्या बाहर की ठेला-पेली ही कुछ कम थी,
जो भीतर भी भावों का ऊहा पोह मचा,
जो किया,उसी को करने की मजबूरी थी,
जो कहा वही मन के अंदर से उबल चला।
जीवन की आपा-धापी में कब वक्त मिला
कुछ देर कहीं पर बैठे कभी यह सोच सकूँ,
जो किया, कहा, माना उसमें क्या बुरा-भला।

25. इस पद्यांश का केन्द्रीय भाव है-

(अ) बाहर की ठेला-पेली (ब) हक्का-बक्का भौंचक्का-सा

(स) दुनिया के मेले में (द) जीवन की आया-धापी में। (द)

26. 'अपनी-अपनी दे-ले' का आशय है-

(अ) स्वार्थ साधना (ब) उधार लेना-देना

(स) हिसाब-किताब (द) मांगना-लौटाना। (अ)

27. 'हक्का–बक्का' से किसका ध्वनि साम्य है?

(अ) ठेला-पेली (ब) भौंचक्का।

(स) ऊहा-पोह (द) उबल चला। (ब)

28. इस काव्यांश की विधा है-

(अ) अकविता (ब) गजल

(स) नई कविता (द) गीत। (Bonus)

29. इस काव्यांश में चित्रण है-

(अ) मनुष्य की स्वार्थपरकता का (ब) मेले का

(स) जीवन की भाग-दौड़ का (द) बाहरी द्वन्द्व का। (स)

30. यह काव्यांश प्रेरित करता है -

(अ) आत्मावलोकन के लिए (ब) विश्राम के लिए

(स) ज्ञान संचय के लिए (द) आलोचना के लिए। (अ)

❑❑❑

For Indian GK, Rajasthan GK, Subjective Knowledge Educational Psychology, Sanskrit, Hindi etc.

Follow Website → www.gkabhi.in

Subcribe Youtube → www.youtube.com/ekanshstudy

Subcribe Youtube → https://www.youtube.com/c/GKAbhi